

संशोधन
नं० सु०
संशोधन
नं० सु०
संशोधन
नं० सु०

05/9/24

पत्रावली प्रस्तुत। वकील पत्रावली उपरो पत्रावली
कास्तै तबकी। जलवादी के डि 23/9/24 को पेश है।

h

21/9/24

पत्रावली प्रस्तुत। वकील पत्रावली उपरो पत्रावली कास्तै
तबकी। जलवादी के डि 23/9/24 को पेश है।

h

23-9-24

प्रतिभाषण मय जज जज स्वयंसेवक वरिष्ठकार
केर रजि. नं० 1/10/24
व्यसने। पत्रावली कास्त दिनांक 14/10/24
पेश हो।

26/9/24

पत्रावली आदि का पेश का प्रपत्र पेश होने पर पेश की गई
ली गयी। वादीगण - जलवादी पत्रावली (संय अर्थात्)
वादीगण के एक प्रपत्र को दावा सिद्धांत का पेश
किया। जिस पर उन्हें चुना गया। बाद चुनवाई वादीगण
का आशिया प्रपत्र स्वीकार किया गया। बाद सिद्धांत
की अनुमति प्रदान की जाती है। वादीगण का दूसरे
बाद सिद्धांत के आधार पर स्वीकार
स्वीकार किया जाता है, पत्रावली नष्ट होकर
होना चाहिए।

Rajendra Y

नवल

h

27/9/24

पत्रावली प्रस्तुत। ~~पत्रावली~~ वादीगण की ओर से एक प्रपत्र
कोरत अपना मूल सिद्धांत प्रपत्र डि. 18/11/1949 का
प्राप्त करने का पेश किया जिस पर चुना गया
वादीगण द्वारा प्रस्तुत मूल सिद्धांत प्रपत्र उनको वापस
ली गया। एव प्राप्त (सिद्धांत) पत्रावली
वापस करता है।

h